मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 12

अनुक्रमांक ......

नाम ....

901

801(AF)

2022

हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट] [पूर्णांक : 70

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं ।

1. क) निम्नलिखित कथनों में से कोई एक कथन सही है, उसे पहचानकर लिखिए : 1

i) 'मित्रता' आचार्य रामचन्द्र शुक्ल का प्रसिद्ध नाटक है ।

ii) 'दीपदान' डॉ० रामकुमार वर्मा द्वारा रचित महाकाव्य है ।

iii) 'रंगभूमि' मुंशी प्रेमचन्द का उपन्यास है ।

iv) 'भारतीय संस्कृति' निबंध के लेखक जयप्रकाश भारती हैं ।

ख) निम्नलिखित कृतियों में से किसी **एक** कृति के रचनाकार का नाम लिखिए : 1

i) उजली आग

ii) कंकाल

iii) पंचपात्र

iv) इतिहास के पन्नों पर ।

ग) 'आत्मकथा' विधा के किसी **एक** लेखक का नाम लिखिए । बनारसीदास जैन 1

घ) 'जहाज का पंछी' किसकी कृति है ?

i) जयशंकर प्रसाद

ii) फणीश्वरनाथ 'रेणु'

iii) इलाचन्द्र जोशी

iv) भगवतीचरण वर्मा । 1

ङ) 'साहित्यालोचन' के लेखक का नाम लिखिए । 1

2. क) प्रयोगवादी काव्य धारा की **दो** प्रमुख प्रवृत्तियाँ लिखिए । 1

ख) रीतिकाल की **दो** प्रमुख विशेषताएँ लिखिए । 2

ग) 'गंगा लहरी' रचना के कवि का नामोल्लेख कीजिए । 2

3. निम्नांकित गद्यांशों में से किसी **एक** गद्यांश के नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 2 + 2 + 2

क) कुसंग का ज्वर सबसे भयानक होता है । यह केवल नीति और सद्‌वृत्ति का ही नाश नहीं करता, बल्कि बुद्धि का भी क्षय करता है । किसी युवा पुरुष की संगति यदि बुरी होगी, तो वह उसके पैरों में बँधी चक्की के समान होगी, जो उसे दिन-दिन अवनति के गड्ढे में गिराती जायगी और यदि अच्छी होगी तो सहारा देनेवाली बाहु के समान होगी, जो उसे निरन्तर उन्नति की ओर उठाती जायगी ।

i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) कुसंग का ज्वर सबसे भयानक क्यों होता है ?

ख) व्यक्ति अपनी उन्नति और विकास चाहता है और यदि एक की उन्नति और विकास दूसरे की उन्नति और विकास में बाधक हो, तो संघर्ष उत्पन्न होता है और यह संघर्ष तभी दूर हो सकता है, जब सबके विकास के पथ अहिंसा के हों । हमारी

सारी संस्कृति का मूलाधार इसी अहिंसा-तत्व पर स्थापित रहा है । जहाँ-जहाँ हमारे नैतिक सिद्धान्तों का वर्णन आया है,, अहिंसा को ही उसमें मुख्य स्थान दिया गया है । अहिंसा का दूसरा नाम या दूसरा रूप त्याग है और हिंसा का दूसरा रूप या दूसरा नाम स्वार्थ है, जो प्रायः भोग के रूप में हमारे सामने आता है ।

i) उपर्युक्त गद्यांश का सन्दर्भ लिखिए ।

ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए ।

iii) लेखक के अनुसार संघर्ष कैसे दूर हो सकता है ?

4. निम्नांकित पद्यांशों में से किसी **एक** की सन्दर्भ-सहित व्याख्या कीजिए तथा उसका काव्य-सौंदर्य भी स्पष्ट कीजिए : 1 + 4 + 1

क) नृपन्ह केरि आसा निसिनासी। बचन नखत ऊवली न प्रकासी ।।
मानी महिप कुमुद सकुचाने । कपटी भूप उलूक लुकाने ।।
भए विसोक कोक मुनि देवा । बरसहिं सुमन जनावहिं सेवा ।।
गुरु पद बंदि सहित अनुरागा । राम मुनिन्ह सन आयसु माँगा ।।
सहजहिं चले सकल जग स्वामी । मत्त मंजु बर कुंजर गामी ।।

https://www.evidyarthi.in/

ख) जब तक साथ एक भी दम हो,
हो अवशिष्ट एक भी धड़कन ।
रखो आत्म गौरव से ऊँची,
पलकें ऊँचा सिर, ऊँचा मन ।।
एक बूँद भी रक्त शेष हो,
जब तक मन में हे शत्रुंजय ।
दीन वचन मुख से न उचारो,
मानो नहीं मृत्यु का भी भय ।।

5. क) निम्नलिखित लेखकों में से किसी **एक** लेखक का जीवन-परिचय दीजिए एवं उनकी किसी **एक** रचना का नाम लिखिए : 2 + 1

i) जयशंकर प्रसाद

ii) डॉ० भगवतशरण उपाध्याय

iii) जयप्रकाश भारती ।

ख) निम्नलिखित कवियों में से किसी **एक** कवि का जीवन-परिचय दीजिए तथा उनकी किसी **एक** रचना का नाम लिखिए : 2 + 1

i) सुरदास

ii) रसखान

iii) मैथिलीशरण गुप्त ।

6. निम्नलिखित संस्कृत-गद्यांश का सन्दर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 1 + 3

एषा नगरी भारतीय संस्कृतेः संस्कृतभाषायाश्च केन्द्रस्थलम् अस्ति । इत एव संस्कृतवाङ्मयस्य संस्कृतेश्च आलोकः सर्वत्र प्रसृतः । मुगल युवराजः दाराशिकोहः अत्रागत्य भारतीय दर्शन-शास्त्राणाम् अध्ययनम् अकरोत् । स तेषां ज्ञानेन तथा प्रभावितः अभवत्, यत् तेन उपनिषदाम् अनुवादः पारसीभाषायां कारितः ।

अथवा

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः ।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःखभाग् भवेत् ।।

7. क) अपनी पाठ्यपुस्तक में से कण्ठस्थ किया हुआ कोई **एक** श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न-पत्र में न आया हो । 2

ख) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में लिखिए : 1 + 1

i) वाराणसी कस्याः भाषायाः केन्द्रम् अस्ति ?

ii) वीरः केन पूज्यते ?

iii) पदेन विना किं दूरं याति ?

iv) भारतीय संस्कृतेः मूलं किम् अस्ति ?

8. क) 'हास्य' रस **अथवा** 'करुण' रस का स्थायी भाव तथा परिभाषा लिखिए । 2

ख) 'उपमा' अलंकार **अथवा** 'उत्प्रेक्षा' अलंकार की परिभाषा देकर उदाहरण लिखिए । 2

ग) 'सोरठा' छन्द **अथवा** 'रोला' छन्द के लक्षण और उदाहरण लिखिए । 2

9. क) निम्नलिखित उपसर्गों में से किन्हीं **तीन** के मेल से एक-एक शब्द बनाइए : 1 + 1 + 1

i) अ

ii) अधि

iii) उप

iv) अभि

v) परि ।

ख) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रत्ययों का प्रयोग करके एक-एक शब्द बनाइए : 1 + 1

i) आई

ii) हट

iii) ता

iv) पन ।

ग) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** के समास-विग्रह कीजिए तथा समास का नाम लिखिए : 1 + 1

i) अन्न-जल

ii) त्रिभुज

iii) सप्तर्षि

iv) जल-थल ।

घ) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** शब्दों के तत्सम रूप लिखिए : 1 + 1

i) अँगूठा

ii) कपड़ा

iii) तालाब

iv) लाज ।

ङ) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** शब्दों के दो-दो पर्यायवाची शब्द लिखिए : 1 + 1

i) आँख

ii) पृथ्वी

iii) वन

iv) पक्षी ।

https://www.evidyarthi.in/

10. क) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** में सन्धि विच्छेद कीजिए और सन्धि का नाम लिखिए : 1 + 1

i) मात्राज्ञा

ii) उपर्युक्तम्

iii) इत्यत्र

iv) दध्यत्र ।

ख) निम्नलिखित शब्दों के रूप चतुर्थी विभक्ति एकवचन में लिखिए : 1 + 1

i) फल **अथवा** मति

ii) मधु **अथवा** नदी ।

ग) निम्नलिखित शब्दों में से किसी **एक** के धातु, लकार, पुरुष तथा वचन का उल्लेख कीजिए : 2

i) पठतु

ii) अहसन्

iii) हसाम

iv) पठिष्यसि ।

घ) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** वाक्यों का संस्कृत में अनुवाद कीजिए : 1 + 1

i) देशभक्त निर्भीक होते हैं ।

ii) भारतीय संस्कृति सर्वश्रेष्ठ है ।

iii) प्रयाग गंगा तट पर स्थित है ।

iv) हमें प्रतिदिन पढ़ना चाहिए ।

v) कल मैं घर जाऊँगा ।

11. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर निबन्ध लिखिए : 6

i) विद्यार्थी जीवन में खेल का महत्व ।

ii) मेरा प्रिय कवि ।

iii) पर्यावरण-प्रदूषण : कारण एवं निवारण ।

iv) सदाचार ।

12. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी **एक** का उत्तर दीजिए : 3

क) i) 'मुक्ति दूत' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग का कथानक अपने शब्दों में लिखिए ।

ii) 'मुक्ति दूत' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

ख) i) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के प्रधान पात्र का चरित्र-चित्रण संक्षेप में कीजिए ।

ग) i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के किसी एक सर्ग की कथावस्तु लिखिए ।

ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के आधार पर श्रीकृष्ण का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

घ) i) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के दूसरे सर्ग 'लक्ष्मी' की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

ii) 'मेवाड़ मुकुट' खण्डकाव्य के आधार पर महाराणा प्रताप का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

ङ) i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के किसी एक सर्ग की कथा संक्षेप में लिखिए ।

ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के नायक का चरित्रांकन कीजिए ।

च) i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के आधार पर 'चन्द्रशेखर आजाद' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग 'संघर्ष' की कथावस्तु लिखिए ।

छ) i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर उसके नायक का चरित्रांकन कीजिए ।

ज) i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के षष्ठ सर्ग 'राम-भरत-मिलन' का सारांश लिखिए ।

ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य की कैकेयी का चरित्र-चित्रण कीजिए ।

झ) i) 'तुमुल' खण्डकाव्य के किसी एक सर्ग की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए ।

ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के आधार पर 'मेघनाद' का चरित्र-चित्रण कीजिए ।